CBSE Class 12 Sociology Important Questions Chapter 5 सामाजिक विषमता एवं बहिष्कार के स्वरूप

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न 1.
समाजशास्त्री सामाजिक स्तरीकरण शब्द का प्रयोग किसके लिये करते हैं?
उत्तर:
समाज के भिन्न-भिन्न संस्तरों में अधिक्रमित व्यवस्था के लिए।

प्रश्न 2.
पूर्वाग्रहों का क्या तात्पर्य है?
उत्तर:
पूर्वाग्रह किसी व्यक्ति या समूह के बारे में पूर्व निर्धारित विचार रखना है।

प्रश्न 3.
सामाजिक असमानता के संदर्भ में सामाजिकता का क्या अर्थ है ?
उत्तर-यहाँ सामाजिकता का अर्थ समूह से है।
अथवा
प्रश्न:
सामाजिक असमानता एवं बहिष्कार सामाजिक क्यों हैं?
उत्तर:
क्योंकि यह व्यक्ति से नहीं बल्कि समूह से सम्बद्ध हैं।

प्रश्न 4.
ब्रह्म समाज की स्थापना कब और किसके द्वारा की गई थी?
उत्तर:
राजा राममोहन राय के द्वारा 1828 ई. में।

प्रश्न 5.
स्वतंत्र भारत में अनुसूचित जाति और जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम कब पारित किया गया था?
उत्तर:
सन् 1989 ई. में।

प्रश्न 6.
भारतीय संविधान का अनुच्छेद 17 क्यों महत्त्वपूर्ण है ?
उत्तर:
क्योंकि इसके अन्तर्गत अस्पृश्यता को समाप्त किया गया है।

प्रश्न 7.
93वां संविधान संशोधन अधिनियम जिसमें अन्य पिछड़ा वर्ग को उच्च शिक्षण संस्थाओं में आरक्षण दिया गया था, कब पारित किया गया था?
उत्तर:
23 जनवरी सन् 2006 को।

प्रश्न 8.
अस्पृश्यों को हरिजन शब्द किसने दिया था और उसका क्या अर्थ है ?
उत्तर:
हरिजन शब्द गांधीजी ने दिया था जिसका अर्थ है-परमात्मा के बच्चे।

प्रश्न 9.
ऐसे दो दलित समाज सुधारकों के नाम बताइये जिन्होंने दलितों के उत्थान के लिए समाज सुधार आंदोलन चलाए।
उत्तर:

1. पेरियार
2. ज्योतिबा फुले।

प्रश्न 10.
स्वतंत्र भारत में ऐसे दो राजनीतिक दलों के नाम बताइये जो कि दलितों की स्थिति को सुधारने की दिशा में कार्य कर रहे हैं।
उत्तर:

1. बहुजन समाज पार्टी
2. कर्नाटक दलित संघर्ष समिति।

प्रश्न 11.
अन्य पिछड़ा वर्ग की पहचान के लिए बनाये गये कोई दो आयोग बताइये।
उत्तर:

1. काका कालेलकर आयोग
2. मण्डल आयोग।

प्रश्न 12.
अन्य पिछड़ा वर्ग की कोई दो समस्याएँ बताइये।
उत्तर:

1. शोचनीय आर्थिक स्थिति
2. निम्न जीवन स्तर।

प्रश्न 13.
अनुसूचित जातियों की कोई दो समस्यायें बताइये।
उत्तर:

https://www.evidyarthi.in/

1. निम्न जीवन स्तर
2. शिक्षा का निम्न स्तर।

प्रश्न 14.
भारत की किन्हीं दो जनजातियों के नाम लिखें।
उत्तर:

1. भील
2. मीणा।

प्रश्न 15.
अनुसूचित जनजातियों की कोई दो समस्याएँ बताइये।
उत्तर:

1. आवास की समस्या
2. रोजगार की समस्या।

प्रश्न 16.
भारत के ऐसे दो नये राज्य बताइये जो आदिवासियों के विद्रोह के परिणामस्वरूप अस्तित्व में आये।
उत्तर:

1. झारखण्ड
2. छत्तीसगढ़।

प्रश्न 17.
सबसे ज्यादा परिश्रम कौन से लोग करते हैं?
उत्तर:
समाज के सबसे निम्न स्तर के लोग ही सर्वाधिक परिश्रम करते हैं।

प्रश्न 18.
सामाजिक असमानता एवं बहिष्कार किस तथ्य से स्पष्ट होती है ?
उत्तर:
अवैयक्तिक अथवा सामूहिक विभिन्नताओं से।

प्रश्न 19.
सामाजिक विषमता क्या है?
उत्तर:
सामाजिक संसाधनों तक असमान पहुँच की पद्धति ही सामाजिक विषमता है।

प्रश्न 20.
पूर्वाग्रह ज्यादातर किस पर आधारित होते हैं?
उत्तर:
समूह के बारे में अपरिवर्तनीय, कठोर और रूढ़िबद्ध धारणाओं पर।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न 1.
परिश्रम के सन्दर्भ में दक्षिण अमेरिकी कहावत क्या है ?
उत्तर:
"यदि परिश्रम इतनी ही अच्छी चीज होती तो अमीर लोग हमेशा उसे अपने लिए बचा कर रखते।"

प्रश्न 2.
सामाजिक विषमता एवं बहिष्कार सामाजिक क्यों हैं ? कोई एक कारण लिखिए।
उत्तर:
सामाजिक विषमता एवं बहिष्कार सामाजिक हैं क्योंकि वे व्यक्ति से नहीं बल्कि पूरे समूह के सम्बद्ध है।

प्रश्न 3.
जजमानी प्रथा क्या है?
उत्तर:
जजमानी प्रथा के तहत भारत के गाँवों में उपज, वस्तुओं तथा सेवाओं का गैर-बाजारी आदान-प्रदान होता है। यह आदान-प्रदान जाति-प्रथा रूढ़िगत व्यवहारों पर केन्द्रित होता है।

प्रश्न 4.
सामाजिक बहिष्कार से आप क्या समझते हैं ?
अथवा
सामाजिक अपवर्जन क्या है ?
उत्तर:
सामाजिक अपवर्जन या बहिष्कार वे तौर-तरीके हैं जिनके द्वारा किसी व्यक्ति अथवा समूह को समाज में पूरी तरह से घुलने-मिलने से रोका जाता है तथा पृथक् रखा जाता है।

प्रश्न 5.
अस्पृश्यता से क्या तात्पर्य है?
उत्तर:
अस्पृश्यता जाति-व्यवस्था में धार्मिक एवं कर्मकांडीय दृष्टि से सबसे नीची मानी जाने वाली जातियों के सदस्यों के विरुद्ध अत्यन्त कठोर सामाजिक दण्डों का विधान है। और इनके स्पर्श मात्र से सवर्ण जातियों के लोग अपवित्र हो जाते हैं।

प्रश्न 6.
अस्पृश्यता के दो रूप बताइये।
उत्तर:
अस्पृश्यता के निम्न दो रूप हैं:

1. अस्पृश्य व्यक्तियों को सामूहिक पूजा-पाठ तथा आराधना की अनुमति नहीं दी जाती है।
2. ये लोग सामाजिक त्यौहारों और उत्सवों में भाग नहीं ले सकते हैं।

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 7.
पूर्वाग्रहों की दो विशेषताएँ बताइये।
उत्तर:

1. पूर्वाग्रह ज्यादातर एक समूह के बारे में अपरिवर्तनशील, कठोर और रूढिबद्ध धारणाओं पर आधारित होते हैं।
2. ये सकारात्मक और नकारात्मक दोनों ही प्रकार के हो सकते हैं।

प्रश्न 8.
सामाजिक संसाधन पूँजी के तीन रूप क्या हैं ?
उत्तर:

1. भौतिक संपत्ति एवं आय के रूप में आर्थिक पूँजी;
2. प्रतिष्ठा और शैक्षणिक योग्यताओं के रूप में सांस्कृतिक पूँजी;
3. सामाजिक संगतियों एवं संपर्कों के जाल के रूप में सामाजिक पूँजी।

प्रश्न 9.
समाजशास्त्री सामाजिक स्तरीकरण किसे कहते हैं ?
उत्तर:
वह व्यवस्था जो एक समाज में लोगों का वर्गीकरण करते हुए एक अधिक्रमित संरचना में उन्हें श्रेणीबद्ध करती है, उसे समाजशास्त्री सामाजिक स्तरीकरण कहते हैं।

प्रश्न 10.
भेदभाव को प्रमाणित करना कठिन क्यों है ?
उत्तर:
भेदभाव को प्रमाणित करना कठिन होता है क्योंकि यह न तो खुले तौर पर होता है और न ही स्पष्टतया घोषित होता है।

प्रश्न 11.
थर्ड-जेंडर से आपका क्या आशय है ?
उत्तर:
सामाजिक इकाइयों की वह श्रेणी जो कि ना तो पुरुष और ना ही स्त्री के रूप में रेखांकित की जाती है। इस श्रेणी में वो लोग आते हैं जो महिला एवं पुरुष की विशेषताओं का मिश्रण हैं।

प्रश्न 12.
1989 के अत्याचार निवारण अधिनियम के बारे में बताइए।
उत्तर:
989 के अत्याचार निवारण अधिनियम ने दलितों और आदिवासियों के विरुद्ध हिंसा और अपमानजनक कार्यों के लिए दण्ड देने के उपबंधों में संशोधन करके उन्हें और मजबूत बना दिया।

प्रश्न 13.
पूर्वाग्रह भेदभावों से किस रूप में भिन्न होते हैं ?
उत्तर:

पूर्वाग्रह मनोवृत्ति और विचारों पर आधारित होते हैं जबकि भेदभाव दूसरे समूहों अथवा व्यक्तियों के प्रति किया जाना वाला अनैतिक व्यवहार होता है।

प्रश्न 14.
वंचित समूह से आप क्या समझते हैं ?
उत्तर:
समाज में जो समूह सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक और शैक्षणिक दृष्टि से कमजोर होते हैं, उन्हें वंचित समूह कहा जाता है।

प्रश्न 15.
सामाजिक स्तरीकरण की दो विशेषताएँ लिखिये।
उत्तर:

1. सामाजिक स्तरीकरण व्यक्तियों के बीच की विभिन्नता का प्रकार्य होने के साथ-साथ यह समाज की एक विशिष्टता भी है।
2. सामाजिक स्तरीकरण पीढ़ी-दर-पीढ़ी बना रहता है।

प्रश्न 16.
जाति व्यवस्था क्या है?
उत्तर:
ऐसी जातियों का एक क्षेत्र-विशेष में अधिक्रमित अनुक्रम जो अपनी ही परिसीमाओं में विवाह करते हैं वंशानुगत पेशे अपनाते हैं तथा यह सब जन्म से निर्धारित होता है, जाति व्यवस्था कहलाता है।

प्रश्न 17.
जाति की दो विशेषताएँ बताइये।
उत्तर:
जाति की दो प्रमुख विशेषताएँ ये है:

1. जाति का निर्धारण व्यक्ति के जन्म से होता है।
2. प्रत्येक जाति का एक निश्चित व्यवसाय होता है।

प्रश्न 18.
स्वतंत्र भारत में अनुसूचित जाति और जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम' कब पारित किया गया था और इसमें क्या प्रावधान किया गया था?
उत्तर:
यह अधिनियम सन् 1989 में पारित किया गया था। इसमें दलितों और आदिवासियों के विरुद्ध हिंसा और अपमानजनक कार्यों के लिए दण्ड देने के उपलब्धों को और कठोर बनाया गया।

प्रश्न 19.
अनुसूचित जनजाति से क्या तात्पर्य है?
उत्तर:
अनुसूचित जनजातियाँ भारतीय संविधान की अनुसूचित जातियों की अनुसूची में शामिल वे जातीय समूह हैं जो पहाड़ों तथा जंगलों के निवासी, निर्धन, शक्तिहीन तथा सामान्य लांछन से पीड़ित हैं।

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 20.
नियोग्यता अथवा अक्षमता के दो लक्षण बताइये।
उत्तर:

1. निर्योग्यता अथवा अक्षमता को एक जैविक कमजोरी माना जाता है।
2. निर्योग्य अथवा अक्षम व्यक्ति को हमेशा शिकार अथवा पीड़ित व्यक्ति के रूप में समझा जाता है।

प्रश्न 21.
विकलांगों की कोई दो समस्याएँ बताइये।
उत्तर:

1. व्यापक शैक्षिक प्रवचनों और विचार-विमर्श में विकलांगता को कोई मान्यता नहीं दी गई है।
2. विकलांगों के साथ समाज द्वारा उपेक्षित व्यवहार किया जाता है।

प्रश्न 22.
अनुसूचित जनजातियों की समस्याओं के कोई दो कारण बताइये।
उत्तर:

1. औपनिवेशिक शासनकाल में शोषण की प्रवृत्ति।
2. स्वतंत्र भारत में औद्योगीकरण और विकास की नीतियाँ।

प्रश्न 23.
जाति की तीन विशेषताएँ बताइये।
उत्तर:
जाति की तीन प्रमुख विशेषताएँ निम्नलिखित हैं:

1. जाति का निर्धारण जन्म से होता है। जो व्यक्ति जिस जाति में जन्म लेता है, उसे समाज में वैसी ही प्रस्थिति प्राप्त होती है।
2. प्रत्येक जाति एक निश्चित व्यवसाय के साथ जुड़ी होती है।
3. जाति एक अन्तर्विवाही समूह है।

प्रश्न 24.
भेदभाव को प्रमाणित करना कठिन होता है। कारण देकर उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।
उत्तर:
भेदभाव को प्रमाणित करना बहुत कठिन है क्योंकि यह न तो खुले तौर पर होता है और न ही स्पष्टतया घोषित होता है। भेदभावपूर्ण व्यवहार को इस तरह भी प्रदर्शित किया जा सकता है जैसे कि वह दूसरे कारणों द्वारा प्रेरित हो, जो भेदभाव की तुलना में ज्यादा न्यायसंगत कारण प्रतीत होता है। उदाहरण के लिए, जिस व्यक्ति को उसकी जाति के आधार पर नौकरी देने से मना किया गया है उसको कहा जा सकता है कि उसकी योग्यता दूसरों से कम है तथा चयन पूर्ण रूप से योग्यता के आधार पर किया गया है।